राजस्थान समसामयिकी सितम्बर, 2024

संजीव वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव वेबसाइट से आप E-Book भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी सितम्बर, 2024
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 1 September, 2024

■ जयपुर-दिल्ली हाइवे पर अचरोल के समीप 100 एकड़ में फिल्म सिटी बनेगी—

हाल ही में राज्य सरकार ने जयपुर-दिल्ली हाइवे पर अचरोल के समीप 100 एकड़ में 'फिल्म सिटी' बनाने/डवलप करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसे फिल्म प्रोड्यूसर के.सी. बोकाडिया बनाएँगे। इस पर करीब 500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह फिल्म सिटी हैदराबाद स्थित रामोजी राव फिल्म सिटी से अधिक बेहतर बनेगी। फिल्मसिटी को इंटरनेशनल लेवल पर तैयार किया जाएगा। फिल्म सिटी को इस तर्ज पर डवलप किया जाएगा कि एक बार में ही पूरी फिल्म बन सके। फिल्म सिटी बनने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

Newspaper of 2 September, 2024

■ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दिए जा रहे ₹ 6500 के स्थान पर 1 सितम्बर, 2024 से ₹ 10 हजार मिलेंगे—

हाल ही में हुई घोषणा के तहत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दिए जा रहे 6500 रुपए के स्थान पर 1 सितंबर, 2024 से 10 हजार रुपए मिलेंगे। उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के कथनानुसार दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार मिल सके, इसके लिए राशि में बढ़ोतरी कर उसे 10 हजार रुपए किया गया है। माँ और बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर हो, इसके लिए प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। 3500 रुपए की अतिरिक्त राशि राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। इसके अलावा 1 सितंबर से 'राष्ट्रीय पोषण माह 2024' का आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत प्रथम किस्त का भुगतान आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण एवं प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पहले 3000 रुपए दिए जाते थे। जिसे बढ़ाकर 4000 रुपए कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर मिलने वाले 1500 रुपए की द्वितीय किस्त को बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया गया है। बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के सम्पूर्ण टीकाकरण पर 14 सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किस्त 2000 रुपए को बढ़ाकर 3000 रुपए कर दी गई है।

Newspaper of 5 September, 2024

■ राजस्थान सरकार को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस (गोल्ड) पुरस्कार मिला—

3 सितम्बर, 2024 को प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने नागरिक-केन्द्रित सेवाएँ प्रदान करने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के तहत उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए राज्य सरकार को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस (गोल्ड) पुरस्कार 2024 से मुम्बई में आयोजित 27वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस के दौरान सम्मानित किया है।

यह पुरस्कार प्रदेश द्वारा सिलिकोसिस रोग की पहचान के लिए टेली-रेडियोलॉजी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अभिनव उपयोग और प्रभावित व्यक्तियों को राहत पहुँचाने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के स्वत: स्वीकृति पोर्टल निर्माण के लिए प्रदान किया गया है। इस पुरस्कार के अन्तर्गत ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और 10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गयी।

Newspaper of 6 September, 2024

■ राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का नाम बदलकर 'पन्नाधाय बाल गोपाल योजना' किया—

5 सितम्बर, 2024 को राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का नाम बदलकर 'पन्नाधाय बाल गोपाल योजना' किया। 'पन्नाधाय बाल गोपाल योजना' में विद्यार्थियों को मिल्क पाउडर से बनाया गया दूध उपलब्ध करवाया जाता है।

Newspaper of 14 September, 2024

■ राजस्थान पुलिस का कम्युनिटी पुलिसिंग में राष्ट्रीय अवॉर्ड के लिए चयन हुआ—

राजस्थान पुलिस का डूइंग गुड फॉर भारत अवॉर्ड 2024 के

लिए चयन हुआ है। यह अवॉर्ड कम्युनिटी पुलिसिंग में नवाचार एवं बेहतर कार्यों के लिए दिया गया है। अवार्ड की श्रेणी ''जी'' में शासन और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से अच्छा कार्य करने के लिए यह अवॉर्ड राजस्थान पुलिस को दिया गया है।

■ **अब एमबीबीएस की शिक्षा हिन्दी माध्यम में भी मिलेगी; सत्र 2024-25 से लागू हुई—विद्यार्थियों को अंग्रेजी एवं हिंदी, दोनों माध्यमों में मिलेगा शिक्षा का अवसर—**

एमबीबीएस पाठ्यक्रम के दौरान भाषायी सुविधा के लिए राज्य में भी हिंदी अनुवाद के साथ पुस्तकें उपलब्ध कराने की शुरुआत कर दी गई है। पहले चरण में मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध डॉ. संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज जोधपुर एवं बाड़मेर मेडिकल कॉलेज में इस सुविधा की शुरुआत की गई है। इन दोनों कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों माध्यमों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग की यह बजट घोषणा थी। केन्द्र सरकार की नई शिक्षा नीति में भी इस विकल्प को शामिल किया गया है।

Newspaper of 16 September, 2024

■ **नवाचार के तहत राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सत्र 2025-26 से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) को बारहवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करेगा।**

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सत्र 2025-26 से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को बारहवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करेगा। इससे विद्यार्थी बढ़ती तकनीक के साथ आईटी सेक्टर और बहुराष्ट्रीय स्तरीय कंपनियों में रोजगार पाने के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे।

एआई तकनीक से बोर्ड को लाभ

- परीक्षा में कर सकेंगे प्रयोग
- निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज
- केन्द्रों की निगरानी और परिणाम तैयार करने में
- ग्रामीण स्कूल से संपर्क
- शिक्षकों-विद्यार्थियों से संवाद

पढ़ेंगे यह बिंदु—

- एआई व ऑटोमेशन की उपयोगिता
- एआई आधारित नौकरी
- तकनीक का रोजमर्रा उपयोग
- व्यक्तिगत डेटा और गोपनीयता की सुरक्षा
- रिसर्च एवं डवलपमेंट क्षेत्र की जानकारी
- तकनीकी क्षेत्र में नवाचार

Newspaper of 17 September, 2024

■ **हाल ही में 16 सितंबर, 2024 को आयोजित हुई चौथी ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इंवेस्टर्स में राजस्थान को देश में सौर ऊर्जा में प्रथम एवं अक्षय ऊर्जा में द्वितीय पुरस्कार मिला।**

Newspaper of 18 September, 2024

■ **फलौदी की डिफेंस कंपनी ने घोड़े जैसा रोबोट बनाया; 'अश्वबोट' रोबोट मिसाइल-हथियार लेकर 20 किमी तक चल सकता है—**

फलोदी के तीन दोस्तों ने पाँच साल पहले स्टार्ट अप डेफटेक एंड ग्रीन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (डीजीपीएल) कंपनी शुरू की। इस कम्पनी ने हाल ही सेना के लिए अश्वबोट नामक लेवल-ऑटोनोमी का रोबोट बनाया है, जो एलन मस्क की टेस्ला कार से भी उन्नत है। अश्वबोट 100 किलो तक हथियार, मिसाइलें, दवाइयाँ सहित अन्य सामग्री ले जा सकता है। यह बगैर मानवीय सहायता के कहीं भी मूव कर सकता है। डीजीपीएल का कहना है कि अश्वबोट की क्षमता को देखते हुए रक्षा प्रयोगशाला (डीआरडीओ) ने इसमें एक विशेष सेंसर लगाने की पेशकश भी की है ताकि नाभिकीय विकिरण, रासायनिक व जैविक हमले के खतरे के समय सैन्य सामग्री को अश्वबोट से ट्रांसपोर्ट किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि अश्वबोट में 7 हाइरिजोल्यूशन कैमरा, लाइट डिटेक्टिंग एण्ड रेंजिंग सेंसर, राडार, अल्ट्रासोनिक सेंसर सहित एआई युक्त तकनीक है जो चार पहियों पर चलता है। यह 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 20 किमी. तक चल सकता है।

Newspaper of 19 September, 2024

■ **SMS स्टेडियम में सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑफ स्पोर्ट्स बनेगा—**

मिशन ओलंपिक-2028 के तहत प्रदेश में सवाई मानसिंह स्टेडियम में सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑफ स्पोर्ट्स विकसित किया जाएगा। खास बात ये कि स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को रोल मॉडल मानते हुए इसका विकास किया जाएगा। जिसमें शूटिंग, आर्चरी, एथलेटिक्स, रेसलिंग, बॉक्सिंग, घुड़सवारी जैसे 10 खेल शामिल होंगे।

Newspaper of 20 September, 2024

■ **हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पैरा ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर अवनि लेखरा को (She) शक्ति 2024 अवार्ड से सम्मानित किया।**

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

- **हाल ही में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने ब्यावर जिले के मसूदा उपखंड में स्थित देवमाली गांव को देश का बेस्ट टूरिस्ट विलेज घोषित किया है। इसमें बेस्ट टूरिस्ट विलेज में ऐसे गाँव को मान्यता दी जाती है जो पर्यटन स्थल को सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करता है एवं जो संस्कृति को प्राकृतिक संपदाओं को संरक्षित करता है। ऐसे गाँव के रूप में देवमाली गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव में से एक के रूप में चुना गया है। देवमाली गांव कई मायनों में अनोखा है। यहाँ गाँव के सभी मकान मिट्टी से बने हैं।**
- **रींगस से खाटूश्यामजी 17.49 किमी. लम्बे रेलवे ट्रेक के लिए भारतीय रेलवे ने मंजूरी दी; 2026 में कार्य पूर्ण होगा—**

खाटूश्यामजी मंदिर में हर साल करीब एक करोड़ से ज्यादा भक्त दर्शन करने के लिए पहुँचते हैं। फाल्गुन महीने के दौरान आयोजित होने वाले लक्खी मेले में करीब 40 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं।

इसे देखते हुए हाल ही में रेल मंत्रालय ने 254.07 करोड़ की लागत से 17.49 किलोमीटर लंबे रींगस से खाटूश्यामजी तक के रेलवे ट्रेक के लिए मंजूरी दे दी। अनुमानत: मई-जून 2026 में यहाँ से ट्रेन का यथावत संचालन शुरू हो जाएगा। ट्रेन रींगस से रवाना होने के बाद सीधे खाटूश्यामजी स्टेशन पर पहुँचेगी। रींगस से खाटू के बीच इस रेल लाइन में कोई भी स्टेशन नहीं है। 17.49 किलोमीटर के इस सफर में 15 से 25 मिनट का समय लगेगा।

खाटूश्यामजी में नए रेलवे स्टेशन का निर्माण होगा। खाटू में जहाँ यह स्टेशन बनने जा रहा है उसकी मंदिर से दूरी लगभग 1.5 किमी. रहेगी, जहाँ से आसानी से मंदिर जाया जा सकेगा।

Newspaper of 22 September, 2024

- **फ्रोजन भ्रूण प्रत्यार्पण से देश का पहला घोड़े का बच्चा जन्मा; 'राज-शीतल' नाम रखा गया—**

हाल ही में 21 सितंबर, 2024 को बीकानेर में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के प्रयास से विट्रिफाइड (फ्रोजन सीमन) भ्रूण स्थानांतरण तकनीक से देश के पहले घोड़े के बच्चे का जन्मा हुआ। 20 किलो वजन के इस घोड़े के बच्चे का नाम 'राज-शीतल' रखा गया है। इसमें जमा किए गए वीर्य (फ्रोजन सीमन) से घोड़ी को गर्भवती किया गया।

Newspaper of 23 September, 2024

- **केन्द्रीय उपभोक्ता मंत्रालय की राष्ट्रीय परीक्षणशाला, मंडा में देश की पहली ट्रांसफॉर्मर टेस्टिंग लैब बना रही है—**

केन्द्रीय उपभोक्ता मंत्रालय की राष्ट्रीय परीक्षणशाला, मंडा रीको औद्योगिक क्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर टेस्टिंग लेबोरेट्री बना रही है। भारत सरकार की देश में पहली ट्रांसफॉर्मर टेस्टिंग लेबोरेट्री होगी। इसमें 10 एमवीए क्षमता तक के ट्रांसफॉर्मर का शार्ट सर्किट टेस्ट होगा। करीब 1 साल पहले राजस्थान सरकार ने मंडा औद्योगिक क्षेत्र में 1 रुपए टोकन मनी पर जमीन आवंटित की थी। 10 हजार स्क्वायर मीटर जमीन में यह लैब बनाई जाएगी। इसके लिए केन्द्र सरकार ने करीब 84 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है।

Newspaper of 25 September, 2024

- **24 सितम्बर, 2024 को जयपुर नगर निगम हेरिटेज में कुसुम यादव कार्यवाहक मेयर/महापौर बनी हैं। कुसुम यादव का कार्यकाल दो माह (60 दिन) रहेगा। कुसुम यादव ने पार्षद का निर्दलीय चुनाव जीता था।**
- **सवाईमाधोपुर-कोटा ट्रैक पर देश का पहला 'कवच 4.0' का सफल ट्रायल हुआ—**

24 सितम्बर, 2024 को सवाईमाधोपुर-कोटा ट्रैक पर देश का पहला 'कवच 4.0' का सफल ट्रायल हुआ। ट्रायल के दौरान स्वयं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहे। यह 108 किमी. लम्बा देश का पहला ट्रैक है जहाँ कवच 4.0 लागू किया गया है। 'कवच 4.0' की रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने टेस्टिंग की। जिसमें उन्होंने सवाईमाधोपुर से सुमेरगंज मंडी तक ट्रेन के लोको में सफर भी किया। 'कवच 4.0' ट्रेन की ओवर स्पीड होने पर, रेलवे फाटक खुला होने पर तथा रेड लाइट होने पर आपात स्थिति में अलर्ट करता है अथवा ट्रेन को रोक देता है।

यूं होगा उपयोगी साबित—

- **स्पीड नियंत्रण** ट्रेन की स्पीड तय सीमा से 2 किमी प्रतिघंटा से अधिक है तो कवच ओवर स्पीड अलार्म बजाएगा। यदि ट्रेन की स्पीड 5 किमी प्रति घंटा से अधिक है तो स्वत ब्रेक लग जाएंगे। स्पीड 9 किमी प्रतिघंटा होने पर इमरजेंसी ब्रेक लग जाएंगे।
- **कैब सिग्नलिंग** कवच सिस्टम पर लगी इंटरलॉकिंग से अगले सिग्नल को पढ़कर उसके आस्पेक्ट का रेडियो तरंगों के माध्यम से सीधे इंजन में प्रदर्शित कर देगा। जिससे 160 किमी की रफ्तार में पायलट को सिग्नल पढ़ने में सुविधा होगी। उसे सिग्नल पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

यदि चालक दल ट्रेन संचालन में कोई गलती करता है या भूल होती है तो सिस्टम तुरंत अलर्ट करेगा तथा आपात स्थिति में ब्रेक लगा देगा। मथुरा रेल लाइन पर भी इसे स्थापित करने का काम पूरा हो जाएगा। इससे पूर्व यहाँ कवच 3.2 स्थापित किया जा चुका है।

■ गांधीनगर (जयपुर) प्रदेश का पहला कवर्ड स्टेशन बना—

हाल ही में गांधीनगर, जयपुर री-डवलपमेंट के चलते प्रदेश का पहला कवर्ड स्टेशन बन गया है। यहाँ ट्रेक के ऊपर कवरिंग की गई है। कवरिंग 70 मीटर लंबी और 38 मीटर चौड़ी है।

Newspaper of 27 September, 2024

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी तीन परम रुद्र सुपर कम्प्यूटर और मौसम व जलवायु अनुसंधान के लिए एक उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग सिस्टम लॉन्च किया—

26 सितम्बर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी तीन परम रुद्र सुपर कम्प्यूटर और मौसम व जलवायु अनुसंधान के लिए एक उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग सिस्टम लॉन्च किया। स्वदेशी तकनीक से निर्मित परम रुद्र सुपर कम्प्यूटर राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत तैयार किए गए है। इनकी लागत 130 करोड़ रुपए आयी है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुपर कम्प्यूटरों को राष्ट्र को समर्पित किया।

सुपर कम्प्यूटरों को अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में स्थापित किया गया है।

1. पुणे में जाइंट मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी) इस सुपरकम्प्यूटर का इस्तेमाल फास्ट रेडियो बर्स्ट्स और अन्य एस्ट्रोनॉमिकल घटनाओं के अनुसंधान के लिए करेगा।
2. दिल्ली में इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलेरेटर सेंटर मटेरियल साइंस व एटॉमिक फिजिक्स जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देगा।
3. कोलकाता में एसएन बोस सेंटर इस सुपरकम्प्यूटिंग तकनीक का इस्तेमाल भौतिक विज्ञान, कॉस्मोलॉजी और अर्थ साइंस जैसे क्षेत्र में अनुसंधान के लिए करेगा।

■ केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों का वेतन न्यूनतम 783 रुपये प्रतिदिन व अधिकतम 1035 रुपए प्रतिदिन किया—

हाल ही में केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के परिवर्तनशील महँगाई भत्ते को संशोधित कर न्यूनतम वेतन बढ़ाने की घोषणा की है। अब अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 783 रुपए रोजाना (20,358 रुपए महीना) होगा। अर्द्ध-कुशल श्रमिक को न्यूनतम 868 रुपए रोज (22,568 रुपए महीना) मिलेंगे। कुशल कर्मचारियों को रोज 954 रुपए (24,805 रुपए महीना) और अत्यधिक कुशल श्रमिकों 1035 रुपए रोज (26,910 रुपए महीना) दिए जाएंगे।

संशोधित वेतन दरों का फायदा केन्द्रीय क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में भवन निर्माण, माल लादने और उतारने, चौकीदार या प्रहरी, सफाई, घर की देखभाल करने, खनन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगे श्रमिकों को होगा। नई दरें 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होंगी। इससे पहले दरों का अंतिम संशोधन अप्रैल 2024 में किया गया था।

□□□

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव प्रकाशन

संजीव®

49 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

IAS गौरव बुडानिया की प्रसिद्ध पुस्तकें

राजस्थान में सर्वत्र उपलब्ध

RPSC एवं RSSB द्वारा अब तक आयोजित परीक्षाओं के सभी महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश

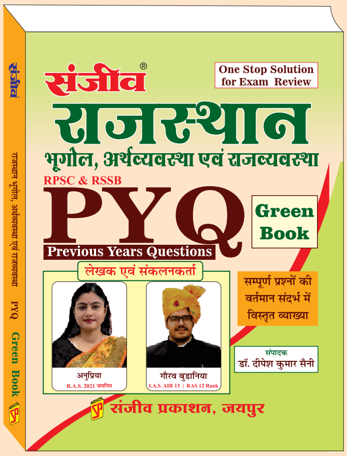

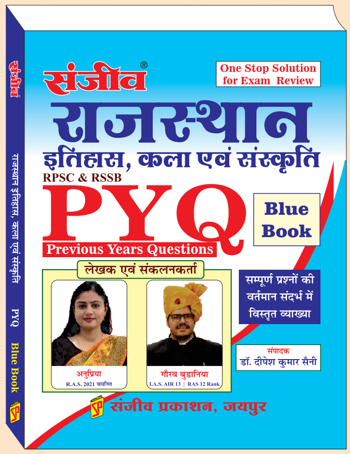

संजीव प्रकाशन की अन्य उपयोगी पुस्तकें

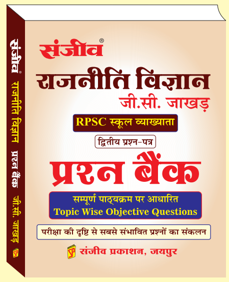

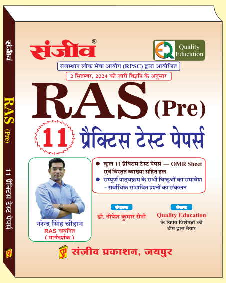

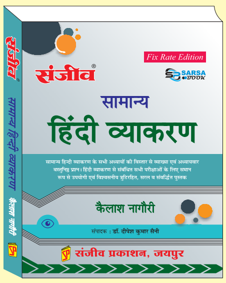

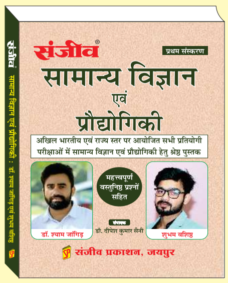

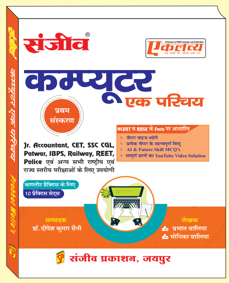

संजीव प्रकाशन

Join Our Telegram

संजीव Telegram चैनल एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री नि:शुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com